

2. रमन्तां पुण्यां लक्ष्मीयाः पापीस्तां मनीशम् AV. 7, 113, 4. 1. धियः 9, 2, 25. पापो हि सोमविक्रयो AIT. BR. 1, 42. पुरुष 4, 25. कर्मन् 7, 17, 27. M. 4, 197. 12, 74. एनस् AIT. BR. 7, 18. ÇAT. BR. 3, 1, 2, 4. 5, 2, 25. वाचुः PANĀKĀV. BR. 12, 6, 8. पुण्यां योनिं पुण्यकृते ब्रह्मन्ति पापो योनिं पापकृते ब्रह्मन्ति MBH. 1, 3618. कीर्ति 6, 5813. पापान्सेयाति संसारान् M. 12, 52. 70. दुष्टचेतना MĀRK. P. 51, 41. पापेन तिरश्चिनेन चक्षुषा BHĀG. P. 7, 8, 4. °चक्षुस् adj. 6, 8, 24. ते पापा पात्ययोगतिम् M. 3, 52. 190. 4, 171. Gegens. साधु 8, 311. BHAG. 6, 9. HĪP. 1, 6. N. 11, 17. ÇĀK. 150. VID. 105. पापा (von Personen) R. 1, 28, 20. 2, 49, 5. RĀĠA-TAR. 6, 322. BRAHMA-P. in LA. 58, 15. PRAB. 41, 16. 111, 16. PANĀKĀT. 46, 3. पापाधम 69, 19. böse von (instr. oder adv. Form auf तस्) P. 5, 4, 47. चरित्रेण oder चरित्रतस् Sch. In der Astr. unheilvoll, Unglück verheissend, ungünstig; von Planeten und Vorbedeutungen VARĀH. BRH. S. 27, c, 1. 77, 29. LAGHÚ. 4, 4. 5, 1. figg. 11, 4 u. s. w. Gegens. शुभ, प्रशस्त BRH. S. 3, 8. 4, 6. von Jahren 8, 34. 11, 19. Meteoren 32, 9. — adv. पापम् ūbel, schlecht, elend: पापं जीवति सर्वदा AV. 12, 2, 50. instr. पाप्या auf ūble Weise, schlecht, unrecht: विना निर्यत्र ब्राह्मणो रात्रिं वसति पाप्या AV. 5, 17, 8. यच्चैरिम् पाप्या 7, 65, 2. RV. 8, 19, 26. 10, 71, 9. पा° म्रमुया so ūbel, so hässlich: गर्दभं न्वत्तं पाप्यामुया 1, 29, 5. 10, 85, 30. चरत्तं पाप्यामुया 135, 2. म्रय किं पाप्यामुया पुच्छे विमर्षमक्रम् AV. 7, 56, 6. — 2) n. SIDDH. K. 249, a, 6 v. u. Am Ende eines adj. comp. f. आ R. GORR. 1, 29, 11. MĀRK. P. 21, 65; vgl. u. धूतपाप und विपापा. a) Uebel, schlimmer Zustand, schlechtes Ergehen, Missgeschick, Unheil: पापमार्हत्त्वकामस्य कर्ता AV. 2, 12, 5. 4, 36, 8. म्रपेतु सर्वं मत्पापं द्रविणं मोपं तिष्ठतु 10, 1, 10. 3, 4. ĀÇV. GRHJ. 2, 4. पापमद्रम् gutes und schlimmes Ergehen AIT. BR. 3, 3, 7. नाशयत्यागु पापानि मरुपातकजान्यपि M. 11, 245. सा शङ्कमाना तत्पापम् dass ihn ein Uebel treffen werde N. 8, 3. R. 2, 65, 15. पापं च ते चिकीर्षन्ति VID. 165. शुद्धमती यः समाचरति पापम् ein Leid zufügt Spr. 484. पापं शुभं वा VARĀH. BRH. S. 42 (43), 66. शास्त्रिमुपैति पापम् 45, 46. 52. Mit dem Ausruf शात्तं पापम् (bisweilen mit vorangehendem कर्णौ पिधाय) sucht man ein Unheil, das ein ausgesprochenes Wort bewirken könnte, abzuwehren, R. 2, 74, 19. MĀRKĪH. 13, 1, 18, 18. 162, 2. ÇĀK. 67, 13. MĀLAV. 69, 10. im Prākṛit MĀRKĪH. 121, 15. 173, 1. MUDRĀR. 24, 5. 25, 8. — b) Böses, Unrechtes; Fehler, Fehltritt, Verbrechen, Schuld, Sünde ĀK. 1, 1, 4, 1. 3, 4, 26, 199. 30, 232. TRIK. 1, 1, 112. H. 1380. HALĀJ. 3, 5, 5, 18. यदा वै तत्रिपाप पापं भवति AIT. BR. 7, 29. यद्यु क्वापि बन्धिव पापं करोति नो क्वै बन्धि यज्ञाद्भवति ÇAT. BR. 4, 6, 1, 21. 3, 1, 2, 21. 14, 2, 19. पापम्, पुण्यमकारवम् 14, 7, 2, 27. पापपुण्यालेपलक्षणा जीवन्मुक्तिः MADHUS. in Ind. St. 1, 20, 14. Gegens. धर्म M. 12, 19. कृत्वा पापं हि संतप्य तस्मात्पापात्प्रमुच्यते M. 11, 230. 4, 181. 198. 8, 318. सर्वपापेष्वपि स्थितम् 380. पुण्यपापेक्षितम् 91. न स पापेन लिप्यते 10, 104. 105. KĀM. NĪTIS. 6, 5. पापमवाप्स्यसि ein Verbrechen, eine Schuld auf sich laden BHAG. 2, 33. पापं कर् N. 24, 27 — 29. चर् 31. विमुक्तं सर्वपापेषुः 12, 69. पापानामपनुति M. 11, 209. पापापनुति 139. सर्वपापापनोदन 215. 260. म्रपोक्ते पापम् 169. पापमपसेधति 198. तथा ज्ञानाग्निना पापं सर्वं दहति वेदवित् 246. (यत्) पानीयद्रवके पापम् R. 2, 75, 38. RAGH. 12, 19. HĪT. I, 184. पापपुण्यैः Spr. 1074. पापं भद्रं (वेत्ति) देवकृते नरः 195. पापशङ्का (so ist zu lesen) न कर्तव्या KĀTHĀS. 6, 12. कस्य पापं भवति VER. in LA. 15, 14. 16. 27, 19. ब्रह्मकृत्याकृतं पापम् das Verbrechen, die Sünde

des Brahmanenmordes M. 11, 86. DAÇ. 1, 47. गोकृत्याकृतं पापम् M. 11, 115. पापं स्तेयकृतम् 102. — 3) m. N. einer Hölle VP. 207. — 4) compar. a) पापीयम् (in comp. mit einem vorangehenden nom. act., das seinen Ton bewahrt, P. 6, 2, 25, Sch.) ūbler daran, elender; geringer, ärmer; der recht ūbel daran ist, sehr schlimm (Gegens. श्रेयस्, वसीयम्) AIT. BR. 3, 7, 11. 7, 26. यथा पापीयां क्लृपसाहृत्यं नमस्यति TS. 1, 5, 2, 4. 9, 5. श्रेयान्धातृच्यः, सदङ्, पापीयान् 2, 4, 1, 4. 5, 1, 2, 2. 5, 2, 4. पापीयस्यात्मनः प्रजा स्यात् 6, 8, 2. पा°, वसोयान् TS. 3, 2, 2, 3. TBR. 1, 1, 2, 8. 2, 2, 2, 2. KĀTH. 24, 9. ÇAT. BR. 1, 2, 5, 24. 3, 5, 12. 4, 5, 11. 5, 1, 2, 9. TBR. 2, 1, 5, 11. kränker TS. 2, 3, 5, 2. म्रधर्षुर्वै श्रेयान्पापीयान्प्रतिप्रस्थाता geringer KĀTH. 27, 5. यदा वै राजा कामयते ऽथ ब्राह्मणं जिनाति पापीयास्तु भवति ÇAT. BR. 13, 1, 5, 3. स इष्ट्वा पापीयान् (Gegens. श्रेयान्) भवति KĀND. UP. 4, 16, 3. यः पुरा पुण्यो भूत्वा पश्चात्पापीयान्स्यात् schlimmer PANĀKĀV. BR. 11, 5. 11. श्रेयसः श्रेयसो ऽलभे पापीयान्क्वचमकृति M. 9, 184. तेषां दाडस्तु पापीयास्तस्माद्दाडं विवर्जयेत् sehr schlecht PANĀKĀT. I, 422. नृणां वार्ता BHĀG. P. 1, 14, 3. म्रयः sehr schlimm RĀĠA-TAR. 3, 89. subst. ein böser Mensch. Bösewicht M. 10, 117. R. 2, 75, 21. Spr. 1538. PRAB. 10, 13. Bei den Buddhisten ist मारः पापीयान् der böse Dämon, der Teufel LALIT. ed. Calc. 327, 2. 375, 8. 10. 397, 8 (मारं पापीयसम्). 9 (मार°). 404, 5 u. s. w. — b) पापतरं schlimmer, schlechter: तेभ्यः पापतरो नु कः MBH. 3, 10788. ततः पापतरं नु किम् 7, 9154. पापात्पापतरे ऽमुष्मिन्देये RĀĠA-TAR. 4, 85. पापात्पापतरो नृपः 5, 414. विश्वासघातादन्यत्रास्ति पापतरं कर्म PANĀKĀT. 102, 1. एतच्च पापतरं कर्म कृतम् sehr schlecht 5. — c) पापीयस्तरं dass: न स्त्रीभ्यः किंचिदन्वैदे पापीयस्तरमस्ति वै MBH. 13, 2213. — 4) superl. पापिष्ठ (in comp. mit einem vorangehenden nom. act., das seinen Ton bewahrt, P. 6, 2, 25, Sch.) der geringste, schlechteste, überaus schlecht, — schlimm: लक्ष्मी AV. 7, 113, 3. भागधेय ÇAT. BR. 1, 9, 2, 35. त्वं न्वेव देवानो पापिष्ठो ऽसि AIT. BR. 3, 13, 6, 33. स पापिष्ठो विवाकृत्नाम् M. 3, 34. सर्वकण्ठकपापिष्ठं हेमकारम् 9, 292. परोपसेवा MBH. 1, 5191. गति 13, 4439. °दिवस 1, 4969. आसुरो योनिम् BHĀG. P. 7, 1, 37. तस्माद्साधून्पापिष्ठान्निवृत्त्यपिर्न लिप्यते KĀM. NĪTIS. 6, 5. पुरुषाः पापिष्ठाः स्त्रीघातका भवन्ति VER. in LA. 21, 6. 26, 13. चिरं दुःखस्य पापिष्ठम् das Lange ist das Schlimmste beim Leiden R. 2, 40, 45. Daran noch das suff. des compar. und superl. gefügt: पापिष्ठतरं am ūbelsten daran: शरीरं KĀND. UP. 5, 1, 7. कर्मन् sehr böse MBH. 7, 8734. पापिष्ठम् schlimmer als: नान्यत्पापिष्ठतममात्मत्यागात् DAÇAK. in BENF. Chr. 189, 9. — Vgl. धूत°, निष्पाप, मनस्पाप, वि°, स्वयं°.

पापक (von पाप) adj. (f. पापिका, पापकी MBH. 13, 415) ūbel, schlecht; n. Uebles, Schlechtes (ÇABDAR. im ÇKDR.). कर्मन् (Gegens. पुण्य) ÇAT. BR. 13, 5, 4, 3. 14, 7, 2, 28. MBH. 1, 3015. 5, 776. 13, 413. 2382. R. 2, 38, 10. यः पापकं सत्त्वे कीर्तयेत् ÇAT. BR. 12, 1, 2, 22. कीर्ति SHADV. BR. 2, 9. गन्ध ĀÇV. GRHJ. 3, 6. गति MBH. 5, 4493. योनि 13, 415. कामेषु INDR. 5, 61. यः सकृत्पापकं कुर्यात् AIT. BR. 7, 17. NĪR. 3, 8. 14. 19. 6, 1. 3. 9, 4. MBH. 1, 3016. 10, 181. प्रतिषेधति पापकात् 184. ईश्वरो हिदधातीह कृत्याणं यच्च पापकम् 3, 1141. म्रपापिका (स्त्री) 14720. m. Bösewicht 5, 1270. ein böser, Unheil verkündender Planet VARĀH. BRH. 4, 10. सपापक (शशिन्) 5, 6. पापकर्मन् (पाप + क°) adj. der böse Thaten vollbringt, m. Missethäter, Frevler, Uebelthäter, Sünder M. 9, 310. MBH. 5, 7533. DAÇ. 2, 39. R.